



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञापन दिवस 2

ईपीसीएच द्वारा गिफ्ट्स एंड लाइफस्टाइल मिडिल ईस्ट 2025, दुबई, यूएई में "भारत - हस्तशिल्प के लिए एक लाभदायक स्रोत" विषय पर एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया

ईपीसीएच के अध्यक्ष ने कहा कि भारत की छवि को "भारत-आपूर्तिकर्ता" से "भारत-निर्माता" में बदला जाना चाहिए

नई दिल्ली – 12 नवंबर 2025 – दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित गिफ्ट्स एंड लाइफस्टाइल मिडिल ईस्ट 2025 के दूसरे दिन, ईपीसीएच ने "भारत – हस्तशिल्प के लिए एक लाभदायक सोर्सिंग गंतव्य" विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य वैश्विक खरीदारों, सोर्सिंग पेशेवरों और भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों को एक साथ लाकर नए व्यावसायिक अवसरों की खोज करना, उभरते बाजार रुझानों पर चर्चा करना और वैश्विक हस्तशिल्प मूल्य श्रृंखला में एक पसंदीदा और विश्वसनीय सोर्सिंग भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती स्थिति को उजागर करना था।

सत्र के दौरान, ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना और ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने भाग लेने वाले अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों और व्यापार आगंतुकों के साथ बातचीत की।

ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने भारत के हस्तशिल्प क्षेत्र की खूबियों के बारे में जानकारी साझा की, जो पारंपरिक शिल्प कौशल पर आधारित है और आधुनिक बाजार की मांगों के अनुरूप ढल रहा है। डॉ. खन्ना ने वैश्विक हस्तशिल्प क्षेत्र में भारत की उभरती पहचान पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य इसकी छवि को "भारत - आपूर्तिकर्ता" से "भारत - निर्माता" में बदलना है। उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी हस्तशिल्प प्रदर्शनियों में से एक आईएचजीएफ दिल्ली मेला जो वैश्विक आयातकों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला की खोज के लिए एक अद्वितीय सोर्सिंग प्लेटफॉर्म है के आगामी आईएचजीएफ दिल्ली मेला स्प्रिंग 2026, जो 14 से 18 फरवरी 2026 दिल्ली में आयोजित होगा, सभी व्यापारिक आगंतुकों को विशेष निमंत्रण दिया।

ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय कारीगरों में रचनात्मकता और कार्यक्षमता का अद्भुत मिश्रण है, जिससे भारतीय शिल्प वैश्विक बाजारों में अपनी अलग पहचान बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के इंटरैक्टिव सत्र निर्यातकों को खरीदारों की प्राथमिकताओं को समझने और अंतर्राष्ट्रीय मानकों और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित समाधान प्रदान करने में मदद करते हैं।

सत्र का समापन उभरते डिजाइन रुझानों, टिकाऊ उत्पादन प्रथाओं और हस्तशिल्प उद्योग के भविष्य के विकास को गति देने में सहयोग की भूमिका पर एक आकर्षक चर्चा के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने भारतीय निर्यातकों और वैश्विक खरीदारों के बीच सार्थक बातचीत और व्यापार संबंधों को सुगम बनाने वाले एक मंच के निर्माण में ईपीसीएच के प्रयासों की सराहना की।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि और होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी एंड एक्सेसरीज प्रॉडक्ट के उत्पादन में लगे क्राफ्ट क्लस्टर के लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। इस अवसर पर ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन डॉलर) रहा। वहीं यूएई को वित्तीय वर्ष 2024-45 के दौरान में होने हस्तशिल्प का कुल निर्यात 2544.92 करोड़ (300.90 मिलियन डॉलर) रुपए रहा। इस अवधि में रुपए के हिसाब से 24 प्रतिशत वृद्धि और डॉलर के हिसाब से 18 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गयी।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक ईपीसीएच; +91-9810697868



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

Press Release Day 2

EPCH Organises an Interactive Session on “India – A Profitable Sourcing Destination for Handicraft” at Gifts & Lifestyle Middle East 2025, Dubai, UAE

Chairman EPCH says transform India’s image from “Bharat – the Supplier” to “Bharat – the Creator”

New Delhi – 12th November’2025 – On the second day of Gifts & Lifestyle Middle East 2025 at Dubai, UAE, EPCH organized an Interactive Session on “India – A Profitable Sourcing Destination for Handicrafts.” The objective of the session was to bring together global buyers, sourcing professionals, and Indian handicraft exporters to explore new business opportunities, discuss evolving market trends, and highlight India’s growing position as a preferred and reliable sourcing partner in the global handicrafts value chain.

During the session, Dr. Neeraj Khanna, Chairman – EPCH along with Shri Avdhesh Agarwal, Chief Convener – EPCH, interacted with participating international buyers and trade visitors.

Dr. Neeraj khanna, Chairman-EPCH shared insights into the strengths of India’s handicrafts sector, which is rooted in traditional craftsmanship while adapting to modern market demands. Dr. Khanna emphasized India’s evolving identity in the global handicraft sector, aiming to transform its image from “Bharat – the Supplier” to “Bharat – the Creator”. He further extended a special invitation to all trade visitors for the upcoming IHGF Delhi Fair Spring 2026, scheduled to be held from 14th - 18th February 2026, Delhi. A fair recognized as one of the world’s largest exhibition of handicraft, providing an unparalleled sourcing platform for global importers, wholesalers, and retailers to discover a wide array of Indian handcrafted products.

Shri Avdhesh Agarwal, Chief Convener-EPCH highlighted that Indian artisans possess a unique ability to blend creativity with functionality, making Indian crafts stand out in global markets. He added that interactive sessions like these help exporters understand buyer preferences and provide customised solutions to meet international standards and expectations.

The session concluded with an engaging discussion on emerging design trends, sustainable production practices, and the role of collaborations in driving the future growth of the handicrafts industry.

EPCH is a nodal institution for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India’s image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US \$ 3,918 Million). The exports of handicrafts items to UAE during the year 2024-25 is Rs. 2544.92 Crores (US \$ 300.90 Million) registering a growth of 24 % in rupee terms and 18 % in dollar terms informed by Shri R. K. Verma, Executive Director-EPCH.

For more information please contact:

Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH
+91-9810697868

Encl: Hindi, English version and photos



Photo 1: Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH addressing the august gathering during Interactive Session on “India – A Profitable Sourcing Destination for Handicraft” at Gifts & Lifestyle Middle East 2025, Dubai, UAE.



Photo 2: Shri Avdhesh Agarwal addressing the august gathering during Interactive Session on “India – A Profitable Sourcing Destination for Handicraft” at Gifts & Lifestyle Middle East 2025, Dubai, UAE.



Photo 3 & 4: August gathering of international trade visitors during Interactive Session on “India – A Profitable Sourcing Destination for Handicraft” at Gifts & Lifestyle Middle East 2025, Dubai, UAE.